

## भारतीय वन सेवा (I.Fo.S.)

अखिल भारतीय सेवाओं में आई.ए.एस एवं आई.पी.एस. के अलावा तीसरी सेवा भारतीय वन सेवा है। इस सेवा में चयनित होकर जनसेवा के इच्छुक अभ्यर्थियों को लिए सुनहरा अवसर मिलता है। इन अधिकारियों को चयनोपरान्त राज्य केडर आवंटित किया जाता है जिनमें वे सेवानिवृत्ति तक सेवाएँ देते हैं। समय-समय पर ये अधिकारी केन्द्र सरकार के अधीन विभिन्न मंत्रालय, विभागों या संस्थानों में डेपुटेशन पर भी जाते हैं। प्रारम्भिक प्रशिक्षण व शुरुआती नियुक्तियों के बाद केडर अनुरूप प्रथम नियुक्ति जिला स्तर पर उप वनसंरक्षक के रूप में होती है जो पदोन्नति पर राज्य में विभाग के उच्च पद तक धारण करते हैं। इस सेवा में भर्ती हेतु प्रक्रिया निम्नानुसार है :-

### 2.2.1 आवेदन के लिए योग्यताएँ (पात्रता) :

आयु	अभ्यर्थी की कम से कम 21 वर्ष एवं अधिकतम 32 वर्ष की आयु हो। (आयु गणना भर्ती वर्ष में 01 अगस्त से की जाएगी।) एस.सी./एस.टी. के अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु में 5 वर्ष, ओ.बी.सी. को 3 वर्ष, भूतपूर्व सैनिकों व अधिकारियों को 5 वर्ष तथा दिव्यांग को 10 वर्ष की छूट दी जाती है।
शैक्षणिक योग्यता	अभ्यर्थी मान्यता प्राप्त संस्था या विश्वविद्यालय से निम्न में से किसी विषय में स्नातक डिग्री धारक हो। > Mathematics, Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Geology, Statistics, Veterinary Science and Animal Husbandry or > Bachelor's Degree in Engineering, Forestry or Agriculture or > Bachelor of Medical and Surgery

**2.2.2 आवेदन प्रक्रिया :** आवेदक यू.पी.एस.सी. द्वारा आयोजित अन्य भर्ती परीक्षाओं की तरह ही यू.पी.एस.सी. की अधिकारिक वेबसाइट [www.upseonline.nic.in](http://www.upseonline.nic.in) पर जाकर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

**2.2.3 प्रतियोगिता परीक्षा पद्धति एवं पाठ्यक्रम :** भारतीय वन सेवा में अधिकारियों के चयन हेतु यू.पी.एस.सी. द्वारा दो चरणों में परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

**(a) प्रथम चरण :** प्रथम चरण की प्रारम्भिक परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्न युक्त दो प्रश्न पत्र होते हैं।

- > यह केवल मात्र पात्रता या छँटनी परीक्षा है एवं इसके अंक मुख्य परीक्षा की मेरिट में नहीं जोड़े जाएँगे। इसके आधार पर भारतीय वन सेवा (मुख्य) परीक्षा के लिए उम्मीदवारों को पात्र घोषित किया जाएगा।
- > प्रश्न पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम में होगा।
- > गलत उत्तर देने पर ऋणात्मक अंकन (वन/थर्ड) किया जाएगा।
- > जो अभ्यर्थी सिविल सेवा परीक्षा एवं भारतीय वन सेवा परीक्षा दोनों में शामिल हो रहें हैं उनके लिए सिविल सेवा एवं भा.व.से. में रिक्त पदों के मुताबिक दोनों की अलग-2 मेरिट लिस्ट बनाकर मुख्य परीक्षा के लिए पात्रता सूची जारी की जाएगी।

क्रसं.	प्रश्न पत्र	विषय	अंक	समयावधि
1.	प्रथम	सामान्य अध्ययन (G.S.)	200	2 घंटे
2.	द्वितीय	सिविल सर्विस एप्टीट्यूड टेस्ट (CSAT)	200	2 घंटे

**(b) द्वितीय चरण :** प्रारम्भिक परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा में प्रविष्ट होते हैं। इस परीक्षा में कुल 6 प्रश्न पत्र होते हैं। सभी प्रश्न पत्र अंग्रेजी में ही होते हैं तथा परीक्षार्थी को केवल अंग्रेजी में ही उत्तर लिखना होता है।

- > यू.पी.एस.सी. को किसी एक या अधिक प्रश्न पत्र हेतु न्यूनतम अंक निर्धारित करने का अधिकार होता है।

### 1. मुख्य परीक्षा का प्रारूप :-

क्रसं.	Paper	Subjects	Marks	Time
1.	Paper - I	General English	300	3 Hours

2.	Paper - II	General Knowledge	300	3 Hours
3.	Paper - III	Any subject to be selected from the list of optional subjects mentioned below first optional subject	200	3 Hours
4.	Paper - IV		200	3 Hours
5.	Paper - V	Second optional subject	200	3Hours
6.	Paper - VI		200	3 Hours

**List of Optional Subjects :-**

S.No.	Optional subject	S.No.	Optional Subject
1	Agriculture	8	Forestry
2	Agriculture Engineering	9	Geology
3	Animal Husbandry & Veterinary Science	10	Mathematics
4	Botany	11	Mechanical Eng.
5	Chemistry	12	Physics
6	Chemical Eng.	13	Statistics
7	Civil Eng.	14	Zoology
उपरोक्त विषयों में से एक साथ लेने की मनाही रहेगी :-S.No.-1& 2, 2& 3, 5& 6, 1& 8, 10 & 13, 2,6, 7 & 11,			

- सामान्य हिन्दी एवं सामान्य अंग्रेजी के प्रश्न पत्र का स्तर ऐसा होगा जैसी अपेक्षा एक विज्ञान या इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री धारक से की जाती है।
- ऐच्छिक पेपर का स्तर स्नातक स्तर का होगा।

**2. साक्षात्कार :-**

1. मुख्य परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर रिक्त पदों के 2-3 गुणा सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु यू.पी. एस.सी. द्वारा आमंत्रित किया जाता है। यह साक्षात्कार 300 अंक का होगा जिसमें न्यूनतम उत्तीर्णांक नहीं है।
2. यू.पी.एस.सी. द्वारा गठित बोर्ड द्वारा अभ्यर्थी का निर्धारित तिथि को साक्षात्कार लिया जाता है जिसमें बोर्ड अभ्यर्थी से रूबरू होकर उस सेवा के लिए उस उम्मीदवार के व्यक्तित्व की उपयुक्तता का परीक्षण करता है। बोर्ड अभ्यर्थी से उसके अकादमिक कैरियर के विषय के साथ राज्य, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय समसामयिक घटनाओं, मुद्दों के संबंध में उसके ज्ञान, प्रतिक्रिया आदि की अपेक्षा रखता है।
4. **अंतिम चयन :** अभ्यर्थी द्वारा 1400 अंक की लिखित मुख्य परीक्षा एवं 300 अंक के साक्षात्कार को मिलाकर कुल 1700 अंकों में से प्राप्त अंकों के आधार पर यू.पी.एस.सी. द्वारा मेरिट लिस्ट बनाकर रिक्त पदों के मुकाबले में योग्य अभ्यर्थियों का चयन कर रिजल्ट जारी किया जाता है जिन्हें बाद में राज्य केडर आवंटन किया जाता है।

## 2.2.4 भारतीय वन सेवा की तैयारी हेतु मार्गदर्शन

1. C.S.E. एवं I.Fo.S. की परीक्षा प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रम में कुछ समानता है। सिविल सेवा परीक्षा (C.S.E.) एवं भारतीय वन सेवा (I.Fo.S.) की प्रारम्भिक परीक्षा दोनों के लिए एक ही है जिसमें 200 अंक के प्रथम प्रश्न पत्र में से दोनों की रिक्तियों के मुताबिक अलग-अलग मेरिट बनती है तथा I.Fo.S. में कम रिक्तियों के कारण मेरिट ऊँची रहती है। द्वितीय प्रश्न पत्र सीसैट (CSAT) दोनों परीक्षाओं के लिए न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक के साथ क्वालिफाई है यदि क्वालिफाई नहीं कर पाते हैं तो प्रथम प्रश्न पत्र में कट ऑफ से ऊपर अंक होने के बावजूद मुख्य परीक्षा के लिए पात्र नहीं होंगे।
2. कोई भी अभ्यर्थी C.S.E. एवं I.Fo.S. की परीक्षा की साथ-साथ तैयारी कर सकता है क्योंकि दोनों की प्रारम्भिक परीक्षा एक ही है एवं सामान्यतः इसकी मुख्य परीक्षा सिविल सर्विस मुख्य परीक्षा {C.S.E. (Main)} के बाद आयोजित होती है। सिविल सर्विस मुख्य परीक्षा {C.S.E. (Main)} हेतु एक ऐच्छिक विषय का चयन करना होता है जबकि भारतीय वन सेवा (I.Fo.S.) के लिए एक साथ सामान्य अध्ययन तथा दो ऐच्छिक विषयों का चयन करना होता है। इस प्रकार सिविल सर्विस परीक्षा (C.S.E.) की तैयारी करने वाले अभ्यर्थी की भारतीय वन सेवा (I.Fo.S.) की तैयारी साथ-साथ हो जाती है बशर्ते उसके ग्रेजुएशन में वे विषय हो जो भारतीय वन सेवा (I.Fo.S.) हेतु निर्धारित है।
3. भा.वन.सेवा (मुख्य परीक्षा) की तैयारी हेतु अभ्यर्थी को मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम को अच्छी तरह से समझकर पिछले 5-7 वर्षों के प्रश्न पत्रों को पढ़कर मुख्य परीक्षा की कार्य योजना बनानी चाहिए। इससे अभ्यर्थी को

प्रत्येक प्रश्न पत्र में पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रकार एवं प्रकृति एवं आगामी परीक्षा में संभावना के संभावित प्रश्नों बारे में बहुत सी जानकारी प्राप्त हो जाएगी।

4. मुख्य परीक्षा हेतु दोनों ऐच्छिक विषय का चयन करते समय यथा संभव स्नातक के विषय या स्नातक विषयों में से अपनी रुचि के ऐच्छिक विषयों का चयन पूर्व चयनित अधिकारियों एवं अन्य अनुभवी मार्गदर्शक से राय लेकर करना चाहिए। ये दोनों विषय 800 अंक के हैं जो कुल अंकों का 50 प्रतिशत है एवं अंतिम चयन में ये विषय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं इसलिए बहुत ही सावधानी से विषय चयन करना चाहिए।
5. विषय चयन के बाद मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्रों हेतु प्रामाणित पुस्तकों का चयन कर उन पुस्तकों का एक दो बार अध्ययन कर उनके नोट्स बनाना चाहिए ताकि परीक्षा नजदीक आने पर उसका आसानी से रिवीजन हो सके।
6. सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र पाठ्यक्रम के लिए सिविल सर्विस परीक्षा (C.S.E.) के लिए संदर्भित पुस्तकों को प्रश्न पत्र के टॉपिक के अनुसार ही अध्ययन कर उनके नोट्स बनाना चाहिए। अंग्रेजी के प्रश्न पत्र में व्याकरण (Grammar) के अलावा Essay, Report, writing, letter, Precis making के टॉपिक को शामिल करने वाली पुस्तक का चयन कर अधिक से अधिक पूर्व वर्षों के प्रश्न पत्र एवं मॉडल पेपर से अभ्यास करना चाहिए। प्रतिदिन द हिन्दु (The Hindu) या द इण्डियन एक्सप्रेस (The Indian express) दोनों में से कोई एक समाचार पत्र का अध्ययन कर अंग्रेजी व्याकरण शब्दकोश एवं रचना को अधिक प्रभावी बनाना चाहिए। वहीं इससे सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र को भी तैयार करने में सहायता मिलेगी।